सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 178 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 3 अगस्त, 2023

मूल्य ₹ 3/-

आजादी की रक्षा केवल सैनिकों का काम नहीं है। पूरे देश को मजबूत होना होगा।
-लाल बहादुर शास्त्री

रैंकिंग में ईशान किशन ने लगाई... 7 | चुनाव आते ही धर्म की आड़ में... 3 | अपने लाभ के लिए अन्य दलों को... 2

ज्ञानवापी में एएसआई सर्वे को इलाहाबाद हाई कोर्ट की मंजूरी

» अब मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिषद में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से साइंटिफिक सर्वे कराए जाने संबंधी वाराणसी जिला जज के फैसले को चुनौती देने वाली अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा है कि न्याय हित में सर्वे कराया जाना उचित है । वहीं मुस्लिम पक्ष ने कहा है कि वह इसके खिलाफ एक-दो दिन में सुप्रीम कोर्ट की ओर रुख करेगा। उधर हिंदू पक्ष ने शीर्ष अदालत में कैविएट दाखिल कर दिया है। मुख्य न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर ने यह फैसला सुनाया। निर्णय भोजनावकाश के बाद सुनाए जाने की बात थी लेकिन पहले ही सुना दिया गया।

मुख्य न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर ने यह फैसला सुनाया

इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में तीन दिन 25 26 और 27 तारीख को जुलाई को सुनवाई हुई थी। वाराणसी के जिला जज ने 21 जुलाई को फैसला दिया था। मस्जिद पक्ष 24 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में गया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे पर रोक लगाते हुए याचिकाकर्ता को इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने के लिए निर्देशित किया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट में तीन दिनों में लगभग सात घंटे सुनवाई चली थी। मस्जिद पक्ष ने कहा था कि सर्वे से ढांचे को क्षति पहुंच सकती है लेकिन एएसआइ की तरफ से कहा गया कि ऐसा कुछ नहीं होगा। वाराणसी के जिला जज ने 21 जुलाई को ज्ञानवापी परिसर में वुजूखाना व शिवलिंग छोड़कर अन्य क्षेत्र के एएसआइ सर्वे का निर्देश दिया था। इसके खिलाफ मुस्लिम पक्ष की याचिका पर 24 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे पर 26 जुलाई तक रोक लगाते हुए कोर्ट जाने की सलाह दी थी।

सर्वे से निर्माण को कोई नुकसान नहीं होगा

मुस्लिम पक्ष ने एएसआइ के हलफनामे पर जवाबी हलफनामा भी दाखिल किया था। कोर्ट में 27 जुलाई को एएसआइ के अपर महानिदेशक आलोक त्रिपाठी ने फिर साफ किया कि सर्वे से निर्माण को कोई नुकसान नहीं होगा। वैज्ञानिक सर्वे में अत्याधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल होगा। अपर सालिसिटर जनरल शशि प्रकाश सिंह ने इस संबंध में दाखिल हलफनामे को उद्धृत किया था। मस्जिद पक्ष की तरफ से बहस कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी व पुनीत गुप्ता ने एएसआइ के कुदाल-फावड़े संग आने का फोटोग्राफ दिखाते हुए सर्वे से भवन ध्वस्त होने की आशंका जताई थी।

संसद में हंगामा जारी बहस में बीता सत्र

» नाराज लोस अध्यक्ष माने फिर संभालेंगे अपनी सीट

» राज्यसभा में खरगे और धनखड़ में नोकझोंक

» विपक्ष मणिपुर व हरियाणा को लेकर आक्रामक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र को शुरू हुए 12 दिन का समय बीत चुका है लेकिन मणिपुर व हरियाणा मुद्दे पर हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल पा रही है। गुरुवार को मान-मनौव्वल का दौर जारी रहा। सांसदों के हंगामे से सभापति ओम बिरला भी नाराज हैं और लोकसभा की कार्यवाही का संचालन नहीं कर रहे हैं।

हालांकि सांसदों से मिलने के बाद वह मान गए है और दो बजे के बाद चेयर की कुर्सी पर बैठने को राजी हो गए है। वहीं राज्य सभा में भी कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे व उपसभापति धनखड़ में तीखी बहस हो गई। सांसद अधीर रंजन चौधरी ने अपील की है कि लोकसभा सभापति ओम बिरला कार्यवाही का संचालन करें।

ओम बिरला से मिले पक्ष-विपक्ष के सभी नेता

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से पक्ष -विपक्ष के सभी नेताओं ने मुलाकात कर उन्हें सदन की जिम्मेदारी संभालने के लिए निवेदन किया है। सभी विपक्ष के नेताओं ने एक सुर में सदन को मर्यादा और चेयर का सम्मान करने का आश्वासन दिया। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सभी से सदन की करवाई सुचारू रूप से चलाने के लिया कहा, सूत्रों के मुताबिक दोपहर दो बजे से लोकसभा अध्यक्ष लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठेंगे और सदन की करवाई का संचालन करेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी, एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले, एनके प्रेमचंद्रन, बसपा के रितेश पांडे, भाजपा के राजेंद्र अग्रवाल, टीएमसी सांसद सौगत राय, एनसीपी सांसद फारुख अब्दुल्ला और डीएमके सांसद कनिमोझी ने आज लोकसभा सभापति ओम बिरला से मुलाकात की। इस मुलाकात में सांसदों ने लोकसभा स्पीकर से सदन की कार्यवाही का संचालने करने की अपील की गई।

सदन में हरियाणा हिंसा पर भी चर्चा हो : आप

आम आदमी पार्टी हरियाणा हिंसा का मुद्दा राज्यसभा में उठाएगी। आप के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सुशील गुप्ता ने सदन में नोटिस दिया है। सुशील गुप्ता ने हरियाणा हिंसा पर विशेष चर्चा की मांग की है।

मैं गुस्सा नहीं करता : धनखड़

नेता विपक्ष खरगे ने कहा कि सभापति जी कल शायद आप गुस्सा हो गए थे, इस पर धनखड़ ने कहा, मैं 45 सालों से शादीशुदा हूं, गुस्सा नहीं करता, वकील के तौर पर भी हमें गुस्सा करने का अधिकार नहीं। जवाब में खरगे ने कहा, आप भले जाहिर न करें लेकिन अंदर से गुस्सा करते हैं।

पीएम का बचाव कर रहे सभापति : खरगे

संसद में खरगे ने सभापति पर आरोप लगाते कहा, आप पीएम का बचाव कर रहे हैं! धनखड़ ने जवाब देते हुए कहा, पीएम को किसी बचाव की जरूरत नहीं है, उनकी वैश्विक पहचान है, सोचिए कि अमेरिकी सांसद में उनका संबोधन सुनकर देश के आम लोगों को कितना गर्व होता है,30 सालों बाद पूर्ण बहुमत की सरकार बनी है। राज्यसभा के चेयरमैन ने कहा, विपक्ष देश के पीएम की छवि को खराब करने की कोशिश कर रही है। ऐसी कोई राजनीति नहीं हो सकती जो अपने देश के पीएम की छवि को ही धूमिल करे, लोग ऐसे कैसे सोच या बोल सकते हैं देश के पीएम के खिलाफ।

हरियाणा में शांति बनाए रखने की अपील

» नूंह, पलवल, सोहना और मानेसर में 3 घंटे बहाल होगा इंटरनेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार व सभी दलों के नेताओं ने राज्य के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। वहीं राज्य की खट्टर सरकार ने नूंह, फरीदाबाद और पलवल जिलों और जिला गुरुग्राम के उपमंडल सोहना, पटौदी और मानेसर के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में मोबाइल इंटरनेट निलंबन को आज दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक आंशिक रूप से हटाने का फैसला लिया है। इससे पहले पांच अगस्त तक के लिए इन इलाकों में इंटरनेट सेवा पर बैन का आदेश दिया गया था। नूंह हिंसा में सोशल मीडिया के जरिए तमाम फेक मैसेज शेयर किए गए थे। हिंसा भड़कने के पीछे एक वजह यह भी थी। ऐसे में प्रशासन ने इंटरनेट बैन के जरिए हालात संभालने का प्रयास किया।

वहीं आज सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे के लिए नूंह में कर्फ्यू में छूट दी गई है। इस दौरान लोग आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी के लिए दुकानों पर पहुंचे। हिंसा प्रभावित इलाकों में ड्रोन के जरिए पुलिस निगरानी कर रही है। मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने हरियाणा के नूंह जिले के तावडू में बुधवार देर रात दो धार्मिक स्थलों पर मोलोटोव कॉकटेल यानी पेट्रोल बम फेंके। वहीं अब मरने वालों की संख्या सात हो गई है।

मैं सिर्फ मोहरा हूं : मोनू मानेसर

हरियाणा के नूंह हिंसा के आरोपी मोनू मानेसर का हिंसा के बाद पहला बयान सामने आया है। मोनू ने हिंसा के बारे में विधायक मामन खान से पूछा जाए। मैं तो शोभा यात्रा में था भी नहीं। हमारे कार्यकर्ताओं की बेरहमी से हत्या की गई। ये हिंसा एक साजिश के तहत की गई। मैं सिर्फ मोहरा हूं। उन्होंने कहा कि मेवात की धरती किसी के बाप की धरती नहीं है। कुछ भी हो मेरा नाम आता है। मैं सरेंडर करने को तैयार हूं लेकिन पहले विधायक मामन खान को पकड़ा जाए। मोनू ने कहा कि ये लड़ाई जनता की नहीं सनातन की लड़ाई है। मेवात में रोजाना हजारों गायों की हत्या हो रही है। प्रशासन गो तस्करी नहीं रोक पा रही है। फरवरी में जुनैद हत्या के बारे में उन्होंने मोनू ने बताया कि उस मामले में मेरा कोई हाथ नहीं था। मैं गुरुग्राम था। मुझे केस में फंसाया गया था। मुझे पुलिस पर पूरा भरोसा है, वो जो करेगी ठीक करेगी।

दंगाइयों को शह दे रही भाजपा

» अखिलेश ने कहा- कानून व्यवस्था बनाने वाले अधिकारी हो रहे दंडित

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार दंगाइयों को शह देती है और कानून व्यवस्था बनाने वाले अधिकारियों को दंडित करती है। पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार पूरे देश में नफरत की आग फैला रही है। भाजपा अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ रही है। उन्होंने कहा कि मणिपुर से लेकर हरियाणा तक भाजपा शासित राज्य जल रहे हैं। बरेली में दंगा कराने की साजिश हुई।

हरियाणा की हिंसा मणिपुर के बाद डबल इंजन सरकार की नाकामी का एक और उदाहरण है। सरकार के रूप में भाजपा का इंजन फेल रहा। केंद्र और प्रदेशों की भाजपा सरकारें हर मोर्चे पर विफल हैं। कानून व्यवस्था बनाए रखने में उनका रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। वहीं शिवपाल यादव ने भी भाजपा पर निशाना साधा है और गंभीर आरोप लगाए हैं। अपने बयान में शिवपाल यादव ने साफ तौर पर कहा है कि जब भी चुनाव आते हैं, भाजपा कोई ना कोई षड्यंत्र कर दंगे कराती हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने भाजपा पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगा दिया। राम मंदिर के सवाल पर शिवपाल यादव ने कहा कि पहले मंदिर निर्माण पूरा हो जाए तो फिर वह जरूर दर्शन करेंगे। शिवपाल ने कहा, भारतीय जनता पार्टी के लोग अदालत, संविधान, लोकतंत्र को नही मानते,न्यायालय के फैसले का इंतजार कर नहीं सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के लोग लोकतंत्र एवं संविधान विरोधी हैं और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ज्ञानवापी पर दिया गया बयान पूरी तरह से न्यायालय की अवमानना है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, हर वर्ग में सजातीय नेताओं को सक्रियता बढ़ाने के लिए कहा गया है।

जिलों में जातिवार चौपाल लगाएगी सपा

समाजवादी पार्टी सभी जिलों में जातिवार चौपाल लगाएगी। लोकसभा चुनाव के लिहाज से आधार बढ़ाने के लिए यह फैसला किया गया है। यह अभियान सजातीय नेताओं की मदद से चलाया जाएगा। इसके लिए उन्हें जरूरी निर्देश भी दे दिए गए हैं। सत्ताधारी भाजपा अपना जनाधार बढ़ाने के लिए लगातार अभियान चला रही है। इसमें टिफिन बैठक करके गांव-कस्बों और मोहल्लों में लोगों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। सपा भी इस तरह के अभियान में अब पीछे नहीं रहना चाहती है।

यूपी में 50 सीटें जीतेगी सपा : शिवपाल यादव

लखनऊ। शिवपाल यादव ने दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में सपा उत्तर प्रदेश में (कुल 80 सीट में से) कम से कम 50 सीट जीतेगी। सपा ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के साथ गठबंधन कर 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा था और केवल पांच सीट पर जीत दर्ज की थी, जबकि बसपा ने 10 सीट पर जीत हासिल की थी। इसके साथ ही उन्होंने लोकसभा चुनाव को लेकर भी बड़ी बात कही है। एनडीए में शामिल होने को लेकर शिवपाल ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अब राजभर पर से उनके समुदाय का ही भरोसा खत्म हो गया है। सपा नेता ने कहा, 'वह (राजभर) किसी को भी कुछ भी बोल देते हैं। आप सबने सुना ही है कि विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के बारे में उन्होंने क्या बोला था। शिवपाल ने उनके आजमगढ़ से लोकसभा का आगामी चुनाव लड़ने को लेकर पूछे जाने पर कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व का जो भी फैसला होगा , वह उन्हें स्वीकार होगा।

अपने लाभ के लिए अन्य दलों को धमका रही बीजेपी : राघव चड्ढा

» आप सांसद ने की बीजेडी और वाईएसआरसीपी की निंदा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली विधेयक के संबंध में केंद्र की भाजपा सरकार का समर्थन करने पर वाईएसआरसीपी और बीजेडी की निंदा की है। आप ने कहा कि इन दोनों दलों ने अपनी कुछ मजबूरियों के कारण केंद्र सरकार का साथ देने का निर्णय लिया है। आप नेता व राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने भाजपा पर राजनीतिक नेताओं को डराने-धमकाने और अपने हितों की पूर्ति के लिए अन्य पार्टियों को बरगलाने का आरोप लगाया।

राघव चड्ढा ने कहा कि दिल्ली विधेयक का उद्देश्य शक्तियों को केंद्रीकृत करना और राज्य सरकारों की स्वायत्तता को कमजोर करना है। इससे देश के संघीय ढांचे के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस तरह के विधेयक का समर्थन करने के लिए वाईएसआरसीपी और बीजेडी की अपनी मजबूरियां हो सकती हैं, लेकिन यह लोकतांत्रिक सिद्धांतों का उल्लंघन है। दिल्ली में इस विधेयक का कार्यान्वयन एक खतरनाक मिसाल कायम करेगा और भविष्य में सभी गैर-भाजपा राज्यों का भी यही हश्र हो सकता है।

रायबरेली में विकास योजनाओं पर हीलाहवाली से सोनिया नाराज

» सांसद प्रतिनिधि ने डीएम और सीडीओ को पत्र भेजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। स्वीकृति के आठ माह बाद भी संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के कार्यों को आरंभ न कराए जाने के मामले में डीएम ने कार्यदायी विभागों को फटकार लगाते हुए 15 दिन में सड़कों का काम शुरू कराकर जवाब देने के आदेश दिए हैं। अब तक काम शुरू न कराए जाने पर सांसद सोनिया गांधी ने नाराजगी जताई है। सांसद का पत्र आने के बाद डीएम ने लापरवाही बरत रहे कार्यदायी विभागों पर शिकंजा कसा है। जिले में विकास कार्य कराने के लिए निधि से सांसद सोनिया गांधी को हर साल बजट मिलता है।

पिछले वित्तीय वर्ष में सांसद ने निधि से 22 सड़कों का निर्माण कराने के लिए स्वीकृति दी थी। सड़कों को बनवाने की जिम्मेदारी ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को दिया गया। सोनिया ने पिछले साल 18 नवंबर को ही कार्यों को स्वीकृत कर दिया था, लेकिन सड़कों के निर्माण का काम अब तक आरंभ नहीं कराया गया। स्वीकृति के आठ माह बाद भी सड़कों का काम शुरू न होने पर सांसद ने नाराजगी जताई है।

पिता को भाजपा में लाने का प्रयास करुंगी: संघमित्रा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बदायूं से भाजपा सांसद संघमित्रा मौर्य ने कहा कि यदि पार्टी निर्देश देगी तो वह अपने पिता और सपा महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य को फिर पार्टी में लाने का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो भी दायित्व दिया है उसे पूरा किया है। एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में संघमित्रा ने कहा कि उनकी पिता के साथ पारिवारिक दूरियां तो नहीं हैं, लेकिन राजनीतिक दूरियां हैं।

उन्होंने कहा कि कौन चाहता है कि एक पिता और बेटी के बीच दूरियां हों। उन्होंने कहा कि, राजनीतिक दूरियों के कारण पिताजी को मेरी वजह से और मुझे पिताजी की वजह से कटाक्ष सुनने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि वह परिवार को जोड़े रखना चाहती हैं।

भाजपा ने महाराष्ट्र की राजनीति को दलदल बनाया : उद्धव ठाकरे

» सामना में लिखा- मोदी के सम्मान समारोह में पवार का जाना ठीक नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (उद्धव गुट) ने कहा कि पुणे में प्रधानमंत्री के साथ पुरस्कार समारोह में शामिल न होकर शरद पवार उन लोगों की शंकाओं को दूर कर सकते थे, जिन्हें उनका इस समारोह में जाना पसंद नहीं आया। मुखपत्र सामना के संपादकीय में दावा किया गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने एनसीपी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे और इसके बाद उन्होंने उस पार्टी को तोड़ दिया और महाराष्ट्र की राजनीति को दलदल बना दिया।

इसके बावजूद शरद पवार मोदी का स्वागत करेंगे और यह बात कुछ लोगों को अच्छी नहीं लगी। अगर, शरद पवार समारोह में शामिल नहीं होते, तो उनके नेतृत्व और साहस की प्रशंसा की जाती। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना में प्रकाशित एक संपादकीय में दावा किया गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने एनसीपी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। इसके बाद उन्होंने उस पार्टी को तोड़ दिया और महाराष्ट्र की राजनीति को दलदल बना दिया।

हरियाणा में कानून व्यवस्था ध्वस्त : मायावती

» बोलीं- सरकार सुरक्षा नहीं दे सकती है तो शोभा यात्रा की अनुमति क्यों दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा है कि देश की राजधानी दिल्ली के नजदीक हरियाणा में सांप्रदायिक दंगा भड़कना और गुड़गांव आदि में इसका बिना रोक टोक फैल जाना बेहद दुखद है। लोगों की संपत्तियों की भारी हानि होने से यह साबित होता है कि हरियाणा में मणिपुर की तरह ही कानून व्यवस्था ध्वस्त है। वहां का खुफिया तंत्र निष्क्रिय है। कहा कि केंद्र सरकार इस मामले में हरियाणा की मदद करे। मायावती ने कि जैसा हरियाणा राज्य का दावा है दंगा विहिप आदि की यात्रा पर पथराव को लेकर शुरू हुआ।

हरियाणा सरकार यात्रा को सुरक्षा देने में विफल रही है। कुल मिलाकर इससे वहां की सरकार की नीति, नीयत व कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। जब वहां की सरकार प्रस्तावित यात्रा, जुलूस तक को सुरक्षा नहीं दे सकती है तो ऐसे आयोजन की अनुमति ही क्यों देती है। यह वह सवाल है जिसे हर सरकार को अपने आप से पूछना चाहिए। नूंह की घटना को देखकर लग रहा है कि हरियाणा के पास दंगा व उसे लेकर आगे भड़क रही हिंसा को रोकने की नीयत का अभाव है जो चिंता जनक है। वैसे भी मणिपुर हो या हरियाणा समेत अन्य राज्यों की शर्मनाक घटनाएं, दंगा एवं हिंसा को राजनीति तथा संकीर्ण स्वार्थ पूर्ति का साधन बनने की अनुमति किसी भी राज्य सरकार को नहीं देनी चाहिए। लोगों की जान माल और मजहब की सुरक्षा राज्य सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी बनती है। बसपा ने चार बार हुकूमत कर प्रदेश में कानून व्यवस्था बेहतरीन बनाई।

केंद्र सरकार करे राज्य सरकार की मदद

अहिंसा-भाईचारे के सिद्धांत से चलता है देश : कमलनाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले पीसीसी चीफ कमलनाथ ने भाजपा पर हरियाणा की घटना को लेकर बड़ा हमला बोला है। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि भाजपा और उसके संगी-साथी सामाजिक सोच को हिंसक बनाने की चाहे जितनी कोशिश कर लें लेकिन देश के हृदय में कांग्रेस का दिया 'अहिंसा और भाईचारे का सिद्धांत' हमेशा धड़कता रहता है। हिंसक लोग कुछ समय के लिए लोगों को भटका तो सकते हैं, लेकिन छल का छलावा, एक-न-एक दिन धुंध की तरह मिट ही जाता है। भाजपा देश को हिंसा में झोंककर नैतिक रूप से पहले ही पराजित हो गयी है। भाजपा याद रखे नैतिक हार आखिरकार राजनीतिक हार की ओर ही ले जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसी विध्वंसकारी ताकतें 'अमृतकाल' का नाम इसलिए लेती हैं क्योंकि वो अपने कुकृत्यों की वजह से खुद अमर नहीं हो सकती हैं।

चुनाव आते ही धर्म की आड़ में सियासत

हरियाणा व मणिपुर हिंसा पर विपक्ष हमलावर

» कांग्रेस का आरोप-सत्ता द्वारा प्रायोजित है हिंसा

» 2024 लोस चुनाव के लिए बन रही रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तो क्या 2024 के चुनाव की वजह से भाजपा हरियाणा को जलाना चाहती है। ऐसी चर्चा सियासी गलियारों में हो रही है। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने आरोप लगाया है कि सरकार द्वारा प्रायोजित था हरियाणा हिंसा। जबकि बीजेपी के नेता नकवी ने इसे बकवास बताया है। खैर सच्चाई क्या है ये तो जांच का विषय है पर इसमे कोई शक नहीं की जब-जब चुनाव करीब होते हैं भाजपा बुनियादी मुद्दों से सबको भटका कर धर्म का मुद्दा हावी करने की कोशिश करती है, इसका वह लाभ भी उठा लेती है परंतु इसबार विपक्ष इंडिया की मुस्तैदी उसके मंसूबे पर पानी फेर सकती है।

मणिपुर, हरियाणा को लेकर ससंद तक में भाजपा व मोदी सरकार विपक्ष के निशाने पर है। आने वाले लोक सभा व विधान सभा चुनाव के बाद ही पता चलेगा की भाजपा की चाल पर जनता उसको सत्ता से बेहाल करती है या विपक्ष को सत्ता की कुर्सी से मालामाल करती है। ज्ञात हो कि मणिपुर और हरियाणा की घटनाओं के पीछे क्या कोई 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर साजिश है, इस सवाल पर मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि जो लोग इस तरह की सोच रखते हैं, उनसे बड़ा बेवकूफ कोई और नहीं हो सकता, जो लोग भी इस तरह की अपराधिक हरकतें करते हैं और उसे समझते हैं कि उनको कोई फायदा होगा तो यह उनकी बेवकूफी है, सरकार को जो भी कड़े से कड़े कदम उठाने हैं वह उठा रही है और आगे भी उठाए जाएंगे।

नूंह से निकल कर हिंसा की आग हरियाणा की सीमा तक पहुंची

नूंह में भड़की हिंसा की आग हरियाणा के कई शहरों में पहुंच गई है। हिंसा में छह लोगों की मौत हो गई है। पलवल, सोहाना, मानेसर और पटौदी में इंटरनेट बंद है। विश्व हिंदू परिषद ने हिंसा के विरोध में आज देशव्यापी प्रदर्शन भी बुलाया है। वहीं, हिंसा को लेकर नूंह, गुरुग्राम, पलवल जिलों में घटना से जुड़ी 40 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गई हैं। 31 जुलाई और एक अगस्त को हुई हिंसा के केंद्र में नूंह ही रहा। यहां की घटनाओं से जुड़ी 15 एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें से नूंह शहर थाने में 10 और नूंह सदर थाने में पांच मामले दर्ज किए गए हैं। थाना शहर नूंह में दर्ज पहली एफआईआर के मुताबिक, अडबर चौक नूंह पर एक पुलिस टीम तैनात थी। इसी बीच तावडू की तरफ से मजहबी नारे लगाती करीब 600-700 उग्र असामाजिक लोगों की भीड़ ने पुलिस पर पथराव और अवैध हथियारों से फायर किया। फायरिंग में निरीक्षक अनिल कुमार के पेट में गोली लगी, जिससे वो घायल हो गए और इस गोलीबारी और पत्थरबाजी में एएसआई जगबीर अपराध शाखा सैक्टर 40 गुरुग्राम भी जख्मी हो गए। थाना शहर नूंह में दर्ज दूसरी एफआईआर के मुताबिक, 31 जुलाई को करीब साढ़े तीन बजे मेवात धार्मिक जलाभिषेक यात्रा के दौरान उग्र हुई हजारों की संख्या में हमलावर भीड़ ने अचानक थाना साइबर क्राइम नूंह को चारों तरफ से घेर लिया और पथराव शुरू कर दिया। उपद्रवियों ने बस से टक्कर मारकर थाने की दीवार और मेन गेट को तोड़ दिया। कुछ उपद्रवकारियों ने थाने की दीवार और छतों पर चढ़कर अपने पास रखे अवैध असला से पुलिस पर सीधे फायर किये। पुलिसवालों ने भी जवाबी फायर किए। इसी दौरान दंगाईयों ने थाने के मेन गेट के बाहर खड़की थाना सदर तावडू की सरकारी और निजी और प्राइवेट वाहनों में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। 31 जुलाई और एक अगस्त को नूंह हुई हिंसा का असर बाद में गुरुग्राम में देखा गया। यहां की घटनाओं से जुड़ी 15 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से सबसे ज्यादा सोहना शहर थाने में 10 मामले दर्ज किए गए हैं। थाना सिटी सोहना में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, एसआई पुलिस की जिप्सी चालक सिपाही बलदेव, हेड कांस्टेबल विनोद, सिपाही पवन ड्यूटी पर नूंह मे हुए सांप्रदायिक दंगों के चलते कानून व्यवस्था के लिए अंबेडकर चौक सोहना पर मौजूद थे। इसी बीच, सूचना मिली की शिव कुंड के पास स्थित धर्मस्थल में उग्र भीड़ ने तोड़फोड़ करके आग लगा दी है। इस सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। उसी समय सूचना मिली कि इसी उग्र भीड़ ने लेबर चौक पर बने एक और धर्मस्थल में तोड़फोड़ की। इस सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम अग्निशमन की गाड़ी बुला कर आग पर काबू पाया। इसी तरह राजीव गांधी पार्क के पास स्थित धर्मस्थल में भी तोड़फोड़ को लेकर भी एक एफआईआर दर्ज की गई है।

ऐतिहासिक गलती के लिए बाहरी आक्रांता जिम्मेदार : नकवी

वरिष्ठ बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय कैबनेट मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने ज्ञानवापी मस्जिद पर दिए गए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान का समर्थन किया है। मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि ज्ञानवापी के लिए सीएम योगी ने जो कुछ बोला मैं पूरी तरह इस मामले में उनके साथ हूं लेकिन इस ऐतिहासिक गलती के लिए भारत में रहने वाले मुसलमान जिम्मेदार नहीं है, उन्होंने कहा कि यह कूकृत्य विदेशी आक्रांताओं ने किया था और अब इस ऐतिहासिक गलती को ठीक करने का समय है। नकवी ने आगे कहा कि इस गलती के लिए भारत में पैदा होने वाला मुसलमान गुनाहगार नहीं है बल्कि वह विदेशी हमलावर जिम्मेदार हैं, जिन्होंने यहां आकर धार्मिक स्थलों पर हमले किए और लूटपाट की, जिसकी वजह से आज जो भारत के लोगों के दिल में जुल्म के जख्म हैं, उस पर जरूर मिलकर मरहम लगाना चाहिए. उन्होंने कहा कि आज उस गलती को ठीक करने का समय है और किसी भी विदेशी आक्रमणकारी की क्रूर और क्रिमिनल करतूत को कवर करने की जरूरत नहीं है। वहीं विपक्षी नेताओं के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मणिपुर और हरियाणा की हिंसक घटनाओं को लेकर मुलाकात करने पर नकवी ने कहा कि सभी को मिलकर ऐसी विघटनकारी शक्तियों को तार-तार करना चाहिए, इस तरह का जो नकारात्मक माहौल होता है, वह सकारात्मक माहौल के विकास के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा होता है, जो लोग इस तरह की विघटनकारी घटनाएं करते हैं, उनका मकसद देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योदी के नेतृत्व में हो रहे विकास की राह में रोड़ा अटकाना होता है।

शोभ यात्रा में हथियार ले जाना अनुचित कृत्य : राव इंद्रजीत

नूंह में भड़कीं हिंसा की आग गुरुग्राम तक पहुंची है। इस बीच बुधवार को केंद्रीय राज्य मंत्री और गुरुग्राम से बीजेपी सांसद राव इंद्रजीत सिंह ने पीएम मोदी से मुलाकात की। गौरतलब है कि राव इंद्रजीत सिंह ने नूंह में शोभायात्रा के दौरान हथियार लेकर जाने को लेकर सवाल उठाया था। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा था, धार्मिक यात्रा में ले जाने के लिए उनको किसने हथियार दिए? धार्मिक जुलूस में कौन तलवार लेकर जाता है? लाठी-डंडे लेकर जाता है? गुरुग्राम सांसद ने इसे गलत बताया था। राव इंद्रजीत ने कहा था कि इस तरफ से भी भड़काने का काम किया गया था। उन्होंने कहा कि वे यह नहीं कह रहे हैं कि दूसरी तरफ से कोई भी भड़काने वाला काम नहीं किया गया। उन्होंने इसके लिए बच्चों की छोटी सी लड़ाई को भी जिम्मेदार ठहराया, जिन्होंने एक दूसरे पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया, जिसने चिंगारी को आग में बदल दिया। जब मंत्री से नूह हिंसा और पीएम मोदी से मुलाकात के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मंत्री ने कहा कि उन्होंने कई मुद्दों पर पीएम से बात की। जब धार्मिक रैली में हथियार वाली टिप्पणी पर उनसे पूछा गया तो उन्होंने बताया, कि अगर दोनों पक्ष हथियार ले जा रहे थे, तो यह जांच का सवाल है कि उन्हें ये हथियार किसने मुहैया कराए. हरियाणा सरकार इसकी जांच करेगी।

हेट स्पीच पर निगरानी करें सरकारें : सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने विश्व हिंदू परिषद की रैलियों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। बता दें कि हरियाणा के नूंह में हुई हिंसा के विरोध में विश्व हिंदू परिषद आज दिल्ली में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन और रैली निकाल रहा है। इन रैलियों पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट अब 4 अगस्त को इस मामले पर फिर सुनवाई करेगा। याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने विरोध प्रदर्शनों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया लेकिन कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ बयानबाजी या कोई हिंसा नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने सीसीटीवी कैमरों से विरोध प्रदर्शनों की निगरानी करने और वीडियोग्राफी के निर्देश दिया और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती का भी निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह आदेश सभी राज्यों पर लागू होगा। बता दें कि मंगलवार को हरियाणा के नूंह में एक धार्मिक यात्रा के दौरान दो समुदायों के बीच हिंसा हो गई थी। हिंसा में छह लोगों की जान गई है और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। नूंह, मेवात, गुरुग्राम और आसपास के इलाकों में अभी भी तनाव बना हुआ है। धार्मिक यात्रा पर हुए हमले के विरोध में दो अगस्त को विश्व हिंदू परिषद ने देशभर में आज धरना-प्रदर्शन का एलान किया है। विहिप ने हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा और घायलों को 20-20 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की मांग की है। विहिप की मांग है कि जिन लोगों की गाड़ियां और बसें नष्ट की गई हैं, उन्हें भी पूरी क्षतिपूर्ति दी जाए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बाजार से प्रभावित आम निवेशक

बुधवार को इंट्राडे में सेंसेक्स 1000 अंकों से ज्यादा टूटा। हालांकि, निचले स्तरों पर बाजार में खरीदारी होने से यह कुछ हद तक नुकसान कम कर बंद होने में सफल रहा। आंकड़ों के कारोबारी सेशन के दौरान निवेशकों को 3.5 लाख करोड़ रुपये की चोट लगी है। इस दौरान इंडिगो के शेयरों में चार प्रतिशत की बढ़त जबकि टाटा मोटर्स के शेयरों में तीन प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

बुधवार को बाजार की उतार-चढ़ाव का खामियाजा आम निवेशकों को झेलना पड़ा। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को बड़ी गिरावट आई। इस गिरावट ने लोगों को अरबों की चपत लगा दी। बाजार की गिरावट के लिए वैश्विक स्तर पर आए वित्तीय झटके को कारण माना जा रहा है। हालांकि बाजार पर नजर रखने वालों का कहना है आने वाले समय में बाजार फिर से नई अंगड़ाई लेगा और लोगों को लाभ पहुंचाएगा। एक्सपर्ट कहते है शेयर बाजार से जुड़े लोगों को धैर्य रखना जरूरी है।हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 702.88 (1.06प्रतिशत) अंक टूटकर 65,756.43 अंकों पर जबकि निफ्टी 207.00 (1.05प्रतिशत) अंक फिसलकर 19,526.55 अंकों पर बंद हुआ। बुधवार को इंट्राडे में सेंसेक्स 1000 अंकों से ज्यादा टूटा। हालांकि, निचले स्तरों पर बाजार में खरीदारी होने से यह कुछ हद तक नुकसान कम कर बंद होने में सफल रहा। आंकड़ों के कारोबारी सेशन के दौरान निवेशकों को 3.5 लाख करोड़ रुपये की चोट लगी है। इस दौरान इंडिगो के शेयरों में चार प्रतिशत की बढ़त जबकि टाटा मोटर्स के शेयरों में तीन प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

बाजार में आई बड़ी गिरावट का कारण वैश्विक बाजारों में कमजोरी का रुख रहा। वैश्विक बाजार में फिच की ओर से अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग कम करने के कारण मंदी का रुख दिखा। आयातकों की ओर से जोखिम लेने जोखिम और डॉलर की मांग के कारण बुधवार को रुपये में करीब दो महीने में की एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। डॉलर के मुकाबले रुपया 82.5825 पर बंद हुआ, जबकि मंगलवार को यह 82.2550 पर बंद हुआ था। कारोबारियों के अनुसार कुछ सरकारी बैंकों की डॉलर लिवाली से इंट्राडे ट्रेड में रुपया गिरकर 82.6150 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया था। उनके अनुसार इक्विटी से संबंधित विदेशी निकासी की संभावना से भी रुपया 82.60 रुपये प्रति डॉलर के महत्वपूर्ण सपोर्ट लेवल पर पहुंच गया। वहीं वित्त मंत्रालय की ओर से हाल ही में 33,00 करोड़ रुपये का बैकस्टॉप फंड म्यूचुअल फंड्स बनाया गया है। सेबी की ओर से इस तरह से डिजाइन किया गया है कि मुश्किल समय में इन्वेस्टमेंट ग्रेड कॉरपोरेट डेट सिक्योरिटीज को खरीदकर म्यूचुअल फंड कंपनियों की मदद की जा सके। बाजार को आगे आने वाले समय में जोखिम से बचे के लिए कोई रणनीति बनानी होगी ताकि निवेशकों को कम नुकसान उठाना पड़े। नियामक संस्थाओं को भी इस पर निगरानी रखने की जरूरत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारतीय जरूरतों के अनुरूप बने डिजाइन

पंकज चतुर्वेदी

दिल्ली के प्रगति मैदान में बनी सुरंग-सड़क को देश के वास्तु का उत्कृष्ट उदाहरण कहा जा रहा था। सबसे घनी पूर्वी दिल्ली और गाजियाबाद की कोई अस्सी लाख आबादी को मध्य-दक्षिण दिल्ली से जोड़ने वाली सुरंग बीते दिनों एक ही बारिश में स्विमिंग पूल बन गई इसकी लागत कोई 923 करोड़ है। इसकी गुणवत्ता और भविष्य की बात छोड़िये, इसके शुरू होने के दस दिन बाद ही इस पर जाम लगने लगा था, बरसात का पानी भर रहा है सो अलग। यहां बेमौसम सीलन है और आला इंजीनियर वह कारण नहीं तलाश पा रहे जिसके चलते इसकी सीमेंट वाली सड़क और दीवारों पर सीलन आ रही है। अभी कुछ फुहारें क्या पड़ीं, दिल्ली और उसके आसपास के सभी महानगर— गाजियाबाद, नोएडा, गुडगांव पानी-पानी हो गए। कई सड़कों पर पांच किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया।

गर्मी से निजात के आनंद की कल्पना करने वाले सड़कों पर जगह-जगह पानी भरने से ऐसे दो-चार हुए कि अब बारिश के नाम से ही डर रहे हैं। बारिश भले ही रिकार्ड में बेहद कम थी, लेकिन आधी दिल्ली ठिठक गई। यह तो हर साल की कहानी है और देश के कोई दो दर्जन महानगरों की त्रासदी है। हर बार सारा दोष नालों की सफाई न होने, बढ़ती आबादी, घटते संसाधनों और पर्यावरण से छेड़छाड़ पर थोप दिया जाता हैं। विडंबना है कि शहर नियोजन के लिए गठित लंबे-चौड़े सरकारी अमले पानी के बहाव में शहरों के ठहरने पर खुद को असहाय पाते हैं। दुखद है कि जाम का कारण बनने वाला पानी का भराव उन जगहों पर होता है जिन्हें सड़क निर्माण तकनीक की आधुनिक संरचना कहते हैं— अंडरपास व फ्लाई ओवर। देश की राजधानी दिल्ली में सुरसामुख की तरह बढ़ते यातायात को सहज बहाव देने के लिए बीते एक दशक के दौरान ढेर सारे फ्लाई ओवर और अंडरपास बने। कई बार दावे किए गए कि अमुक सड़क अब ट्रैफिक सिग्नल से मुक्त हो गई है, इसके बावजूद दिल्ली में हर साल कोई 185 जगहों पर 125 बड़े जाम और औसतन प्रति दिन चार से पांच छोटे जाम लगना आम बात है।

जानकर आश्चर्य होगा कि बरसात होते ही चाहे दिल्ली हो या गुरुग्राम, वहां के अंडरपास जाम हो जाते हैं और शहर की सड़कों पर वाहन बेबस अटके रहते हैं। बारिश के दिनों में अंडरपास में पानी भरना ही था, इसका सबक हमारे नीति-निर्माताओं ने आईटीओ के

पास के शिवाजी ब्रिज और कनाट प्लेस के करीब के मिंटो ब्रिज से नहीं लिया था। ये दोनों ही निर्माण बेहद पुराने हैं और कई दशकों से बारिश के दिनों में दिल्ली में जल-भराव के कारक रहे हैं। इसके बावजूद दिल्ली को ट्रैफिक सिग्नल मुक्त बनाने के नाम पर कोई चार अरब रुपये खर्च कर दर्जनभर अंडरपास बना दिए गए। लक्ष्मीनगर चुंगी, द्वारका मार्ग, मूलचंद, पंजाबी बाग आदि कुछ ऐसे अंडरपास हैं जहां थोड़ी-सी बारिश में ही कई-कई फुट पानी भर जाता है। दक्षिण-पूर्वी जिले में एमबी रोड पर स्थित पुल प्रह्लादपुर रेलवे अंडरपास में तो हर साल बरसात में पानी भरना अब किसी को चिंतित नहीं करता। वहां पिछले साल एक मौत भी हो गई थी। गुरुग्राम शहर में अंडरपास में पानी भरने से पिछले तीन साल में तीन लोगों की मौत हो गई है। हाल ही में खेड़कीदौला अंडरपास में बारिश के बाद भरे पानी में डूबने से एक शख्स की मौत हो गई थी। इसके अलावा राजीव चौक अंडरपास, बजघेड़ा रेलवे अंडरपास और हीरो होंडा चौक अंडरपास में भी जलभराव हो जाता है। फरीदाबाद के एनएचपीसी, ग्रीन फील्ड कॉलोनी अंडरपास और ओल्ड फरीदाबाद अंडरपास का भी यही हाल है। सबसे शर्मनाम तो है हमारे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को जोड़ने वाले अंडरपास का नाले में तब्दील हो जाना। कहीं पर पानी निकालने वाले पंपों के खराब होने का बहाना है तो सड़क डिजाइन करने वाले नीचे के नालों की ठीक से सफाई न होने का रोना रोते हैं तो दिल्ली नगरपालिका अपने यहां काम नहीं कर रहे कई हजार कर्मचारियों की पहचान न कर पाने की मजबूरी बता देती है। दरअसल, अंडरपास की समस्या केवल बारिश के दिनों में ही नहीं है। आम दिनों में भी यदि यहां कोई वाहन खराब हो जाए तो उसे खींच कर ले जाने का काम इतना जटिल है कि जाम लगना तय ही होता है। असल में इनके डिजाइन में ही खामी है जिससे बारिश का पूरा जल-जमाव उसमें ही होता है।

जमीन की गहराई में जाकर ड्रेनेज किस तरह बनाया जाए, ताकि पानी की हर बूंद बह जाए, यह तकनीक अभी हमारे इंजीनियरों को सीखनी होगी। अंडरपास का हर बार तालाब बन जाना गाजियाबाद के गौशाला अंडरपास की स्थाई समस्या है तो जयपुर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 8 पर गुडगांव के लिए जाने वाले प्रत्येक रपटे पर बारिश का पानी जमा होता ही है।

अंतरिक्ष से सीधे पृथ्वी पर पहुंचेगी सौर ऊर्जा

मुकुल व्यास

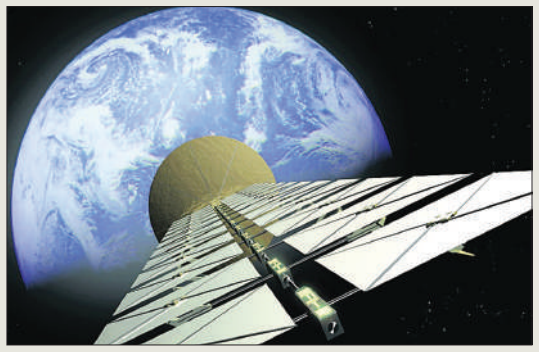

दुनिया में ऊर्जा के नए स्रोतों की तलाश करते हुए हमारा मुख्य फोकस सौर ऊर्जा पर है। लेकिन पृथ्वी पर सौर ऊर्जा का अपेक्षित स्तर पर उत्पादन नहीं हो पा रहा है। अंतरिक्ष से भी सौर ऊर्जा समुचित मात्रा में पृथ्वी पर नहीं पहुंच पाती। अनुमान है कि सौर ऊर्जा का केवल 48 प्रतिशत ही पृथ्वी की सतह तक पहुंच पाता है। ऊर्जा का शेष भाग पृथ्वी के वायुमंडल में पाई जाने वाली गैसों और धूल द्वारा अवशोषित किए जाने के कारण बाधित होता है। पृथ्वी का वायुमंडल भी सूर्य की 23 प्रतिशत किरणों को वापस अंतरिक्ष में परावर्तित कर देता है। इसलिए पृथ्वी पर इसका उपयोग करने के प्रयासों में बहुत सारी ऊर्जा बर्बाद हो रही है। सौर ऊर्जा को हासिल करने का सबसे टिकाऊ तरीका अंतरिक्ष से सीधे पृथ्वी को बिजली संप्रेषित करने का है।

दरअसल, सौर ऊर्जा को पृथ्वी पर भेजने की पूरी प्रक्रिया बेहद महंगी है। इसके बावजूद यह सूर्य की अनंत ऊर्जा तक हमारी सीधी पहुंच को सुनिश्चित करती है। सबसे बड़ा लाभ यह है कि अंतरिक्ष का वातावरण पृथ्वी की तरह सौर विकिरण को अवशोषित नहीं करता या बिखेरता नहीं है। इससे फोटोवोल्टिक सेलों को बादलों द्वारा बाधित हुए बिना अंतरिक्ष में अधिक ऊर्जा एकत्र करने का अवसर मिलता है। अंतरिक्ष आधारित ऊर्जा का दूसरा लाभ यह है कि ऊर्जा का उपयोग दिन के 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन किया जा सकता है। रात से बचने के लिए सौर ऊर्जा उपग्रहों को उचित कक्षा में स्थापित करके इसे पूरा किया जा सकता है। अंतरिक्ष-आधारित सौर ऊर्जा को व्यावहारिक बनाने के रास्ते में कई इंजीनियरिंग चुनौतियां हैं जैसे अंतरिक्ष में बड़े पैमाने पर सौर पैनलों के बुनियादी ढांचे को तैनात करना, जो एक कठिन कार्य है। इसके साथ ही लंबे समय तक सौर ऊर्जा का उचित उपयोग करने के लिए इसके संचालन को बनाए रखने की चुनौती भी आती है। सौर ऊर्जा सबसे तेजी से विकसित हो रही अक्षय ऊर्जा है। इस समय वैश्विक बिजली उत्पादन में 3.6 प्रतिशत हिस्सा सौर ऊर्जा का है।

इस तरह यह नवीकरणीय ऊर्जा बाजार का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत है। इसके बाद जलविद्युत और पवन ऊर्जा का स्थान आता है। आने वाले दशकों में इन तीन विधियों के तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। इनसे विद्युत उत्पादन 2035 तक 40 प्रतिशत और 2050 तक 45 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। हालांकि ऊर्जा क्षेत्र में इस परिवर्तन के लिए कई तकनीकी चुनौतियों और मुद्दों से निपटने की आवश्यकता है। सौर ऊर्जा के साथ सबसे बड़ी दिक्कत उसकी अनियमितता है। पर्याप्त धूप उपलब्ध होने पर ही ऊर्जा एकत्र की जा सकती है। इस समस्या का समाधान खोजने के लिए वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष-आधारित सौर ऊर्जा पर शोध करने में कई दशक बिताए हैं। वे पृथ्वी की कक्षा में ऐसे उपग्रह स्थापित करना चाहते हैं जो दिन में 24 घंटे और साल में 365 दिन बिना किसी रुकावट के ऊर्जा एकत्र करेंगे। इस प्रौद्योगिकी को विकसित करने के लिए कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कैल्टेक) में स्पेस सोलर पावर प्रोजेक्ट (एसएसपीपी) के शोधकर्ताओं ने हाल ही में अंतरिक्ष से पृथ्वी तक पहला सफल वायरलेस पावर ट्रांसफर पूरा किया। यह पावर ट्रांसफर मैपल के जरिए किया गया।

मैपल दरअसल पृथ्वी की निम्न कक्षा से ऊर्जा हस्तांतरण के लिए बनाया गया एक प्रायोगिक प्लेटफॉर्म है जिसमें माइक्रोवेव का प्रयोग किया जाता है। मैपल का विकास अली हाजिमिरी के नेतृत्व में कैल्टेक की टीम ने किया है। मैपल प्लेटफॉर्म में इलेक्ट्रॉनिक चिप्स द्वारा नियंत्रित लचीले और हल्के माइक्रोवेव ट्रांसमीटरों की एक सारणी होती है। इस तकनीक प्रदर्शक अथवा डेमोंस्ट्रेटर को कम लागत वाली सिलिकॉन प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके बनाया गया। इसे सौर ऊर्जा को एकत्र करके उसे दुनियाभर के स्टेशनों पर भेजने के लिए डिजाइन किया गया है। अंतरिक्ष सौर ऊर्जा परियोजना की शुरुआत 2011 में हुई थी। इस परियोजना के पहले डेमोंस्ट्रेटर को इस साल 3 जनवरी को एक स्पेस एक्स फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए लांच किया गया था। अंतरिक्ष आधारित सौर ऊर्जा तभी व्यावहारिक हो सकती है जब इसके लिए प्रयुक्त उपग्रह हल्के और लचीले हों और ऐसे उपग्रहों को कम लागत पर प्रक्षेपित किया जाए। हल्के ढांचे का उपयोग करके अंतरिक्ष से वायरलेस पावर ट्रांसफर का सफल प्रदर्शन अंतरिक्ष सौर ऊर्जा की व्यावहारिकता और विश्व स्तर पर इसकी व्यापक पहुंच की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वैसे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को बिजली देने के लिए अंतरिक्ष में पहले से ही सौर पैनल का उपयोग किया जाता है, लेकिन पृथ्वी को ऊर्जा प्रदान करने के लिए माइक्रोवेव ट्रांसमीटरों को तैनात करने के लिए अंतरिक्ष सौर ऊर्जा परियोजना को ऐसी ऊर्जा हस्तांतरण प्रणालियों को विकसित करना पड़ेगा जो बहुत हल्की, सस्ती और लचीली हों। अंतरिक्ष सौर ऊर्जा परियोजना की प्रत्येक इकाई का वजन लगभग 50 किलोग्राम है। इसकी तुलना में छोटे उपग्रहों का वजन आमतौर पर 10 से 100 किलोग्राम के बीच होता है। प्रत्येक इकाई एक पैकेज में मोड़ी जा सकती है जो बाद में एक समतल वर्ग में फैल जाती है, जिसमें एक तरफ सौर सेल और दूसरी तरफ वायरलेस पावर ट्रांसमीटर होते हैं। यह प्रयोग यह दर्शाने में कामयाब रहा कि अंतरिक्ष में छोड़े जाने के बाद पावर ट्रांसमीटर ठीकठाक काम करते रहेंगे। अंतरिक्ष से सौर ऊर्जा को पृथ्वी तक भेजने के लिए एयरबस ने भी सितंबर, 2022 में एक प्रयोग किया था।

नीम

नीम बहुत लाभकारी आयुर्वेदिक औषधि है। त्वचा संबंधी समस्याओं में नीम का उपयोग फायदेमंद है। अगर खुजली की समस्या को दूर करना है, तो नीम की पत्तियों को पीसकर त्वचा पर लगाएं। नीम में मौजूद एंटी बैक्टीरियल गुण खुजली से राहत दिलाते हैं। नीम शरीर में किसी भी प्रकार के सुन्नपन को खत्म करता है। अगर शरीर के किसी अंग में सुन्नपन आ गया हो तो नीम के तेल की 3 से 4 सप्ताह तक मालिश से सुन्नपन खत्म हो जाता है। अफीम खाने की लत से छुटकारा दिलाता है नीम। नीम के पत्तों का रस एक-एक चम्मच सुबह-शाम पीने से आफीम खाने की आदत छूट जाती है। आग से जलने पर नीम का तेल लगाने से आराम मिलता है।

नींबू और बेकिंग सोडा

नींबू त्वचा के लिए लाभकारी है। बारिश में त्वचा पर नमी के कारण खुजली हो रही हो तो दो चम्मच बेकिंग सोडा और एक चम्मच नींबू को मिलाकर त्वचा पर अच्छे से लगा लें। 5-10 मिनट के बाद त्वचा धो लें। ये प्रक्रिया रोजाना एक बार करने से खुजली से छुटकारा मिलता है। नींबू में विटामिन सी होता है जो ब्लीच का काम करता है। इन दोनों के मिश्रण को चेहरे पर लगाने से त्वचा मुलायम और चमकदार बनती है। नियमित रूप से आप इस ड्रिंक का सेवन करते हैं तो त्वचा संबंधी रोग भी दूर होते हैं।

खुजली होने पर अपनाएं ये घरेलू उपाय

बारिश के मौसम में कई तरह की संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। मानसून में डेंगू-मलेरिया समेत कई तरह की त्वचा संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। इस मौसम में त्वचा की एलर्जी, कान, नाक और गले की समस्या होना आम बात है। तापमान, हवा की गुणवत्ता, गंदगी और नमी के कारण मानसून में ज्यादातर गर्दन, कोहनी, हाथ, ब्रेस्ट के नीचे, कमर की त्वचा आदि में पसीना आता रहता है। इसके कारण बैक्टीरिया और वायरस पैदा हो जाते हैं। इससे व्यक्ति को एलर्जी, फंगल संक्रमण, इंटरट्रिगो, दाद, खाज, त्वचा पर चकत्ते, गले में खराश, एक्जिमा, सर्दी जुकाम और बुखार जैसी बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा में नमी के कारण पसीना आने से संक्रमण फैलता हौ और खुजली होने लगती है। ऐसे में अगर आपको भी बारिश के मौसम में खुजली और रैशेज की समस्या हो, तो इन घरेलू उपायों को अपनाकर राहत पा सकते हैं।

चंदन का लेप

मानसून में अगर त्वचा पर बहुत ज्यादा खुजली हो तो चंदन का लेप स्किन पर लगाएं। त्वचा के लिए चंदन फायदेमंद माना जाता है। ऐसे में बाजार में आपको आसानी से चंदन पाउडर मिल जाएगा। इसमें गुलाब जल मिलाकर खुजली वाली जगहों पर लगाएं। नियमित लगाने से खुजली से राहत मिलती है और त्वचा की रंगत भी निखरती है। चंदन और दूध के इस्तेमाल से चेहरे की समस्या को दूर किया जा सकता है। ऐसे में आप कटोरी में दूध लेकर उसमें चंदन को मिलाएं। अब बने मिश्रण को अपनी त्वचा पर लगाएं। जब मिश्रण सूख जाए तो अपनी त्वचा को साधारण पानी से धो लें। बता दें कि त्वचा के लिए दूध और चन्दन दोनों ही बेहद फायदमेंद होते हैं। प्रदूषण से त्वचा को बचाने और चेहरे को चमकदार व स्वस्थ बनाने के लिए आप चंदन और दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नारियल तेल

नारियल का तेल त्वचा को मॉइस्चराइज करने के साथ ही इंफेक्शन को दूर करता है। नारियल के तेल में एंटी इंफ्लामेशन और एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद हैं। मानसून में खुजली होने पर प्रभावित जगह पर नारियल का तेल लगाने से खुजली और रैशेज नहीं होते। यह मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारता है और त्वचा में नमी बनाए रखता है। नारियल तेल का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है, इसलिए ज्यादातर लोग त्वचा रोग जैसे एक्जिमा, स्किन बर्न और डर्मेटाइटिस में भी इस्तेमाल करते हैं। नारियल तेल की मदद से स्ट्रेच मार्क्स को भी हटा सकते हैं।

हंसना मना है

एक महिला एक साधु के पास गई और बोली महाराज! आपने प्रवचन में कहा था, अहंकार ही सबसे बड़ा पाप है। पर जब मैं आईना देखती हूं, तो सोचती हूं मैं कितनी सुंदर हूं तो मुझे बहुत अहंकार हो जाता है, मैं क्या करूं? साधु ने कहा- बेटी, यह अहंकार नहीं, गलतफहमी है और गलतफहमी कोई पाप नहीं।

ग्राहक- तुम्हारी भैंस की एक आंख खराब है, फिर भी तुम इसके ₹25000 मांग रहे हो। आदमी- तुम्हें भैंस दूध के लिए चाहिए या नैन मटक्का के लिए चाहिए?

एक मुर्गा मालिक को खिड़की से बैठा देख रहा था। मालिक बहुत बीमार था, मालिक की पत्नी उसके बगल में बैठी थी। पत्नी बोली- आपको बहुत तेज़ बुखार है मै आपके लिए चिकन सूप बना लाती हूं, इतना सुनते ही मुर्गे के तोते उड़ गये, मुर्गा बोला- बहन जी एक बार 'पेरासिटामोल' दे कर भी देख लो।

अगर किसी लड़की को उसकी मर्जी के खिलाफ आई लव यू बोलना गलत है तो किसी लड़के को उसकी मर्जी के खिलाफ भैया बोलना भी गलत है?

कहानी | संघर्ष ही शक्ति को विकसित करता है

एक बार एक आदमी ने अपने बगीचे में एक तितली के कोकून को देखा। वह उसे देखने लगा, उसने नोटिस किया कि उस कोकून में एक छोटा सा छेद बन हुआ है, उसने देखा की छोटी तितली उस छेद से बाहर निकलने की बहुत कोशिश कर रही थी। बहुत देर तक कोशिश करने के बाद भी वो उस छेद से बाहर नहीं निकल पा रही थी, वह बहुत कोशिश करती रही, फिर वह शांत सी हो गयी, उस आदमी को लगा जैसे उसने हार मान ली हो। इसलिए उस आदमी ने उस तितली की मदद करने के उद्देश्य से एक कैंची उठायी और कोकून की छेद को बड़ा कर दिया जिससे तितली आसानी से बाहर निकल पाए और यही हुआ, तितली बिना किसी संघर्ष के आसानी से बाहर निकल गयी, पर उसका शरीर सूजा हुआ था, और पंख सूखे हुए थे। उस आदमी को लगा कि वो तितली अपने पंख फैला कर उड़ने लगेगी, पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। बल्कि कुछ समय बाद ही वह मर गयी। इसका उसे काफी दु:ख हुआ। उस आदमी ने अपने बुजुर्ग को यह सारी बात बताई, बुजुर्ग ने बताया असल में कोकून से निकलने की प्रक्रिया को प्रकृति ने इतना कठिन इसलिए बनाया है, जिससे ऐसा करने से तितली के शरीर में मौजूद तरल पदार्थ उसके पंखों में पहुंच सके, और वो छेद से बाहर निकलते ही उड़ पाए। जिंदा रह सके। और तुमने उस की मदद करके उसकी सामान्य प्रक्रिया को तोड़ दिया। जिसके कारण उसका यह हश्र हुआ।

कहानी से शिक्षा- दोस्तों असल में कभी-कभी हमारे जीवन में संघर्ष ही हमे वो मज़बूती प्रदान करता है, जिससे हम आगे बढ़ सके, क्योंकि यदि हमे बिना संघर्ष के जीवन में कुछ मिलेगा तो हम अपंग हो जायेंगे और यदि सफल भी हो गये तो ज्यादा समय तक सफल नही रह पाएंगे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष सुख के साधन जुटेंगे। कानूनी बाधा दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। कुसंगति से बचें। परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है।

वृषभ शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। विवाद न करें। उतावली में कोई काम न करें।

मिथुन विवाद से क्लेश होगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक करेगा। व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे।

कर्क शत्रु सक्रिय रहेंगे। घर-बाहर तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। संपत्ति के कार्य लाभप्रद रहेंगे। भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें।

सिंह यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी सफल रहेंगे। धनार्जन होगा। पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें। आत्मविश्वास बना रहेगा।

कन्या दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। भागदौड़ रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बाँटना आवश्यक है।

तुला प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। व्यस्तता रहेगी। प्रसन्नता बढ़ेगी। कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना रहेगी।

वृश्चिक लेन-देन में सावधानी रखें। मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी।

धनु कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे।

मकर कोई मुसीबत आ सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। फालतू खर्च होगा। जोखिम न उठाएं। व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी।

कुम्भ बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। धनार्जन होगा। घर की चिंता रहेगी। विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे। मित्रों से मदद मिलेगी।

मीन शत्रु परास्त होंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध हो सकते हैं। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

बेटी के जन्म के बाद से मैंने एक बूंद शराब नहीं पीः महेश भट्ट

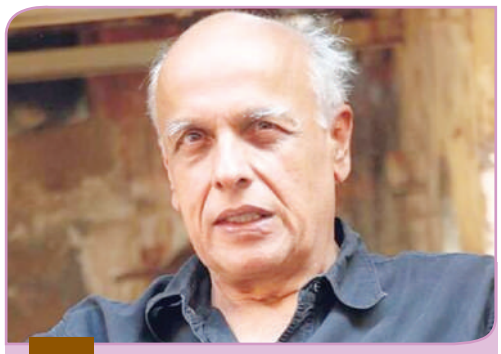

सुपरस्टार सलमान खान की होस्टिंग वाले रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 2 में फैमिली वीक चल रहा है। ऐसे में सभी कंटेस्टेंट्स के परिवार के सदस्य घर के अंदर आकर उनसे मुलाकात कर रहे हैं। अपकमिंग एपिसोड में फिल्म निर्माता महेश भट्ट अपनी बेटी पूजा भट्ट से मिलने के लिए घर के अंदर आएंगे, जो शो में एक कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आ रही हैं। महेश भट्ट को देखकर हर कंटेस्टेंटेस के चहेरे पर मुस्कुराहट आ गई। उन्होंने पूजा के अलावा सभी कंटेस्टेंट को उनकी खासियत भी बताई। महेश भट्ट ने बेबिका को स्ट्रॉन्ग वुमन बताया है। इसके साथ उन्होंने जैद को हैंडसम कहा और अभिषेक को कहा कि वह एक नारियल के जैसे हैं, जो बाहर से सख्त और अंदर से उतने ही नर्म हैं। इस एपिसोड में सबसे खास मोमेंट्स तब आया जब महेश भट्ट की मुलाकात एल्विश से होती है। उन्होंने बताया कि वीकेंड का वार पर जब एल्विश रोए तो ये बात उनके दिल को छू गई। उन्हें अपनी पर्सनल स्टोरी याद आ गई। उन्होंने वो वक्त याद किया जब वह शराब के आदी हो चुके थे, लेकिन उनकी बेटी शाहीन के जन्म ने उन्हें पूरी तरह से बदल दिया। उसके बाद पिछले 36 सालों में महेश भट्ट ने एक बूंद शराब नहीं पी। महेश अपनी बेटी पूजा के जन्म को याद करते हैं, जब वह सिर्फ 23 साल के थे। 20 साल की उम्र में उनकी शादी हो गई और उन्हें 1500 रुपये का इंतजाम करने में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। यह पहली बार नहीं है जब महेश ने शो में एंट्री की है। इससे पहले, उन्होंने सलमान खान इस शो के टीवी वर्जन में भी गेस्ट के तौर पर एंट्री ली थी, जहां उन्होंने सनी लियोन को फिल्म जिस्म-2 की पेशकश की थी। इस बार वह सिर्फ एक परिवार के सदस्य के रूप में प्रवेश कर रहे हैं। बता दें कि बिग बॉस ओटीटी-2 जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होता है।

सनी लियोनी ने बांधे अनुराग कश्यप की तारीफों के पुल

सनी लियोनी कुछ वक्त से अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी फिल्म कैनेडी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अपनी इस फिल्म के चलते एक्ट्रेस पिछले ही दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल में पहुंची थीं। अब वह कैनेडी के साथ इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 2023 में प्रीमियर के लिए भी पूरी तरह से तैयार हैं।

सनी ने डायरेक्टर अनुराग कश्यप की तारीफ करते हुए कहा कि उनमें लोगों को अलग नजरिए से देखने की क्षमता है, जो उन्हें खास बनाती है। सनी ने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में कहा, मुझे निश्चित रूप से लगता है कि वह एक जादूगर हैं। उनके पास लोगों को अलग नजरिए से देखने की क्षमता है, जो उन्हें खास बनाती है। वह चुनते हैं कि वह किसके साथ काम करें और कैसे उनकी मदद करें, पेशेवर या व्यक्तिगत रूप से उनका कैसे पालन-पोषण करें। वह अद्भुत व्यक्ति हैं।

एक्ट्रेस ने एक सवाल के जवाब में कहा, वास्तव में जीवन में कुछ भी हो सकता है और एक फोन कॉल के भीतर आपका जीवन बदल सकता है। मैं कान में इस बड़ी शुरुआत और कैनेडी को कई फेस्टिवल्स से दुनिया भर में स्वीकार किए जाने के बाद जो कुछ भी होने वाला है, उसे लेकर बहुत उत्साहित हूं।

बता दें कि अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी में सनी लियोन के अलावा राहुल भट्ट भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। नियो-नोयर थ्रिलर फिल्म अग्ली और दोबारा के बाद यह तीसरी बार है, जब अनुराग और राहुल एक साथ काम कर रहे हैं।

विद्युत जामवाल संग अपनी जोड़ी बनाना चाहती हैं कंगना रनौत

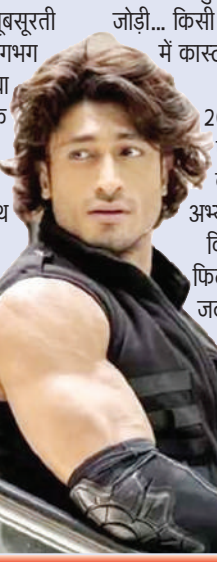

कंगना रनौत अपने अब तक के करियर में कई तरह की भूमिकाओं को बहुत खूबसूरती से पर्दे पर उतार चुकी हैं। उन्होंने लगभग हर तरह की शैली में काम कर लिया है। ऐसे में अब एक्ट्रेस चाहती हैं कि कोई उन्हें एक्शन फिल्म में कास्ट करे। कंगना का कहना है कि अभिनेता विद्युत जामवाल के साथ उनकी जोड़ी अच्छी लगती है।

कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फैशन शो का एक वीडियो पोस्ट किया, जहां कंगना और विद्युत जामवाल शोज टॉपर बने थे। इस वीडियो को शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, अच्छी जोड़ी... किसी को हमें एक्शन फिल्म में कास्ट करना चाहिए।

बता दें कि विद्युत ने 2011 में फिल्म फोर्स से एक्टिंग डेब्यू किया था। वह कलारीपयट्टू का अभ्यास भी करते हैं।

विद्युत की अपकमिंग फिल्मों पर बात करें तो जल्द ही उन्हें क्रैक- जीतेगा तो जिएगा में देखा जाएगा, जो एक एक्सट्रीम स्पोर्ट्स फिल्म है। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित यह फिल्म दो भाइयों पर आधारित है जो जीतने के लिए साहसी स्टंट करने को भी तैयार हैं। वहीं, कंगना रनौत इमरजेंसी में नजर आएंगी, जिसमें कंगना ने पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई है। फिल्म 1975 के आपातकाल पर बेस्ड है।

कंगना की फिल्म में दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक, अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा कंगना के पास तेजस भी है, जिसमें वह एक फाइटर पायलट का किरदार निभाती नजर आएंगी। वहीं, वह चंद्रमुखी 2 में भी नजर आने वाली हैं।

बॉलीवुड | गपशप

अजब-गजब | महिला ठग ने भारतीयों को भी बनाया था अपना शिकार

इस महिला को सुनाई गई थी एक लाख 41 हजार 78 साल की सजा

खूंखार अपराधियों को लंबी से लंबी सजा सुनाई जाती है ताकि वे कभी जेल से बाहर न आएं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी महिला की कहानी बताने जा रहे हैं, जिसे दुनिया की सबसे लंबी जेल की सजा दी गई थी। आप जानकर हैरान होंगे कि अदालत ने इस महिला को 1 लाख 41 हजार 78 साल की सजा सुनाई थी। इस जुर्म जानने के बाद आप दांतों तले उंगली दबा लें। भारत से भी इस महिला का गहरा रिश्ता रहा है।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, थाईलैंड की चमोए थिप्यासो को अदालत ने 1989 में सजा सुनाई थी। उस पर एक 'चिट फंड' के जरिए 16231 लोगों के साथ फर्जीवाड़ा करने और करीब 19 करोड़ रुपये हड़पने का जुर्म साबित हुआ था। 'चिट फंड' कंपनी माई चामोय फंड की मदद से चमोए ने भारत के केरल में कई लोगों को शिकार बनाया। दावा किया था कि निवेश के बदले एक तेल बांड दिया जाएगा और बाद में उच्च रिटर्न मिलेगा। चमोए तब थाईलैंड की सरकारी तेल कंपनी पेट्रोलियम

अथॉरिटी ऑफ थाईलैंड की कर्मचारी थी। यह कंपनी अब पीटीटी के नाम से चल रही है।

थिप्यासो ने घोटाले को वैध दिखाने के लिए रॉयल थाई वायु सेना में कनेक्शन का इस्तेमाल किया। इसकी वजह से हजारों लोगों ने निवेश कर दिया। इसमें थाई शाही परिवार के सदस्य और सैन्य हस्तियां भी शामिल थीं। लेकिन 1980 के दशक में उसकी चोरी सामने आ गई। पता चला कि उसने अपने ग्राहकों से करोड़ों डॉलर की चोरी की है। बाद में अनुमान लगाया गया कि उसने 16,000 से अधिक लोगों को धोखा दिया। इसके बाद फंड बंद कर दिया गया और थिप्यासो को गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी गिरफ़्तारी के बाद थाई वायु सेना द्वारा कई दिनों तक गुप्त स्थान पर रखा गया। एक बार जब पीड़ितों के वित्तीय नुकसान की भरपाई हो गई, तो 1989 में उस पर मुकदमा चलाया गया और अदालत ने उसे सजा सुनाई। हैरानी की बात है कि उसने अपने अपराधों के लिए केवल आठ साल की सजा काटी, क्योंकिइस घटना के बाद थाईलैंड में एक कानून पास हुआ कि धोखाधड़ी के मामले में अपराधी को कितनी भी लंबी सजा क्यों न सुनाई गई हो, उसे 20 साल से अधिक जेल में नहीं रखा जा सकता है।

29 हजार रुपये की है एक स्ट्रॉबेरी! खरीदने से पहले बड़े-बड़े लोग टटोलते हैं अपनी जेब

फलों और सब्जियों की बात करें तो कुछ फल होते हैं, जो हर सीजन में महंगे रहते हैं लेकिन कुछ की कीमत सीजन के मुताबिक घटती और बढ़ती रहती है। हालांकि कुछ ऐसे भी फल होते हैं, जिनकी कीमत उनकी खासियत की वजह से हजारों और लाखों में चली जाती है। चलिए आपको एक ऐसी स्ट्रॉबेरी की खास प्रजाति के बारे में बताते हैं, जिसका एक फल 29 हजार रुपये में हंसते-खेलते बिक जाता है।

आपने आम की कुछ ऐसी प्रजातियां सुनी होंगी, जो लाखों रुपये किलोग्राम की दर से बिकते हैं। अब बिजिन हाइम नाम की एक स्ट्रॉबेरी के बारे में जान लीजिए, जो अपने शेप, स्वाद और कलर के अलावा अपनी कीमत के लिए भी दुनिया भर में मशहूर है। इसे दुनिया के कुछ सबसे महंगे फलों की कैटेगरी में रखा गया है। जापान में उगाई जाने वाली इस खास स्ट्रॉबेरी को ब्यूटीफुल प्रिंसेस का नाम दिया गया है। बिजिन हाइम नाम की इस स्ट्रॉबेरी को जापानी किसान मिकियो ओकुदा ने विकसित किया था। वो 45 साल तक सिर्फ स्ट्रॉबेरीज ही उगाते रहे। 15 साल तक रिसर्च और कोशिश करने के बाद उन्होंने बिजिन हाइम नाम की ये प्रजाति विकसित की। ये दुनिया की सबसे महंगी स्ट्रॉबेरी है। इसका सबसे बड़ा फल 100 ग्राम का हो सकता है, जो किसी टेनिस बॉल जितना होगा। आमतौर पर बड़ी स्ट्रॉबेरी कम मीठी होती है, लेकिन बिजिन हाइम के साथ ऐसा नहीं है। उसके फ्लेवर पर कोई असर नहीं होता है और ये गुलाबों की तरह खुशबू रखती है। इस खास स्ट्रॉबेरी का खूबसूरत लाल रंग और चमकदार टेक्स्चर देखकर इसे खाने का जी करता है। न तो ये ज्यादा नरम और न ही ज्यादा कड़ी होती है। इसमें एसिड कम और मिठास ज्यादा होती है। इसे मिकियो ओकुदा जाड़े के मौसम में ग्रीनहाउस में उगाते हैं। ये धीरे-धीरे पकती है। उन्होंने 15 क्रॉस ब्रीडिंग कराने के बाद ये खास किस्म तैयार की। एक नीलामी के दौरान इस प्रजाति की एक स्ट्रॉबेरी 350 यूएस डॉलर यानि 29 हजार रुपये में बिकी थी।

बीजेपी दोहरा सकती है पुलवामा कांड: मलिक

चुनाव जीतने के लिए राम मंदिर पर हमला भी करवा सकते हैं : प्रशांत भूषण

» सरकार से पुलवामा हमले पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले चिंताएं एवं जवाबदेही विषय पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में पुलवामा त्रासदी का सच देशवासियों के सामने लाने के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमिटी गठित करने और राष्ट्रीय अभियान चलाने का निर्णय लिया गया,जिसके तहत देश भर में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर विभिन्न राज्यों में सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए सत्यपाल मलिक ने कहा कि चुनाव के पूर्व पुलवामा की घटना की तरह की त्रासदी दोहराए जाने से इनकार नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि राम मंदिर पर हमला करवाकर या पीओके पर हमला कर देश में चुनाव के दौरान ध्रुवीकरण करने की साजिश की जा सकती है। सम्मेलन में सीमाओं पर लगातार शहीद हो रहे जवानों के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, पुलवामा त्रासदी में शहीद 40 जवानों की शहादत के कारणों की जांच के नतीजे सार्वजनिक करने, त्रासदी के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों पर कड़ी कार्यवाही करने, श्वेत पत्र जारी करने, सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में जांच कराने या जेपीसी गठित करने की मांग को लेकर प्रस्ताव पारित किए गए।

सम्मेलन में धार्मिक स्थलों पर हमले की आशंका के चलते सभी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग करते हुए प्रस्ताव पारित किया गया। सम्मेलन की ओर से देशवासियों से सांप्रदायिक ताकतों को अलग-थलग करने तथा विभाजनकारी ताकतों को एकजुट रहकर परास्त करने की अपील की गई। सम्मेलन को पहले सत्र में सेवानिवृत्त मेजर जनरल बिशम्बर दयाल, सीमा सुरक्षा बल के सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक संजीव के सूद, जनहित याचिकाओं के प्रख्यात अधिवक्ता प्रशांत भूषण, जस्टिस फार वार विडोज़,ओ. आर. ओ. पी. आन्दोलन की सुदेश गोयट, लेखक, शोधकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता फिरोज़ मीठीबोरवाला ने पुलवामा त्रासदी को लेकर तथ्यात्मक जानकारी और विश्लेषण प्रस्तुत किया। द्वितीय सत्र में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह (कांग्रेस), सांसद कुमार केतकर (कांग्रेस), पूर्व मंत्री भक्त चरणदास (कांग्रेस), सांसद जॉन ब्रिटास (सीपीएम), पूर्व सांसद जावेद अली खान (सपा), का.दीपांकर भट्टाचार्य (महासचिव सीपीआई -एम एल लिबरेशन), महाराष्ट्र से विद्या चौहान (अध्यक्ष -महिला विंग, एनसीपी), सांसद दानिश अली(बीएसपी), विधायक बी आर पाटिल (कांग्रेस, कर्नाटक), पूर्व सांसद भालचंद्र मुंगेकर (कांग्रेस, महाराष्ट्र) आदि ने संबोधित किया।

गहलोत सरकार के बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के घर पहुंची पुलिस

» पॉक्सो एक्ट के मामले में एक्शन की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की गहलोत सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा की मुश्किलें अब बढ़ रही हैं। बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के घर गुरुवार सुबह पुलिस पहुंची। बताया जा रहा है कि पॉक्सो एक्ट के एक मामले में पुलिस गुढ़ा के आवास पहुंची थी। इस दौरान गुढ़ा से पूछताछ भी की गई। गुढ़ा के खिलाफ जल्द बड़ा एक्शन लिया जा सकता है।

बता दें कि राजेंद्र गुढ़ा ने पिछले कुछ दिनों से राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। गुढ़ा की लाल डायरी से राज्य की सियासत में घमासान मचा हुआ है। गुढ़ा ने बुधवार को लाल डायरी के तीन पन्ने सार्वजनिक किए। इनमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) का अध्यक्ष बनाने के लिए हुए पैसों के लेन-देन का उल्लेख है। गुढ़ा का दावा है कि सीएम के विश्वस्त व राज्य पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने इन पेजों में वैभव व आरसीए के सचिव भवानी सामोता के बीच लेनदेन का उल्लेख किया है। गुढ़ा का दावा है कि डायरी में राठौड़ की हैंडराइटिंग है। डायरी के एक पेज में सीएम के ओएसडी से पैसों के लेनदेन की बात का उल्लेख है।

डायरी पर विधानसभा में हंगामा

उधर, इस डायरी को लेकर बुधवार को विधानसभा में बीजेपी विधायकों ने हंगामा किया और नारेबाजी की। विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी ने दो बार आधा-आधा घंटे के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित की। फिर भी शांति नहीं हुई तो अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सवाल उठाया कि कांग्रेस आलाकमान क्या कर रहा है?

भीलवाड़ा में नाबालिग का जला शव मिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिले के कोटड़ी थाना क्षेत्र के नरसिंहपुरा गांव में बीती रात एक लापता मासूम का शव गांव से 3 किलोमीटर दूर जलते भट्टे में पाया गया। बच्ची का शव भट्टे में मिलने के साथ ही ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया।

सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर धरना देकर बैठ गए हैं, ग्रामीणों का आरोप है कि परिजन बीती रात को ही बच्ची के लापता होने पर कोटडी थाने में पहुंचे थे, मगर वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने टालमटोल वाला रवैया अपनाया, बच्ची के आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र जैसी दस्तावेज लाने की बात कह कर टाल दिया था। इस बात को लेकर ग्रामीणों में रोष है, बताया जा रहा है कि कल दोपहर को नरसिंहपुरा गांव में रहने वाले एक गुर्जर परिवार की बच्ची अपनी मां के साथ बकरी चराने गई थी. बच्ची मां से बिछड़ गई और उसके बाद देर रात तक घर नहीं पहुंची। मगर लापता बच्ची की तलाश पूरी रात परिजन करते रहे. इस बीच अल सुबह बच्ची के शरीर उनके खेत के पास कोयले के भट्टे में मिला। जिसमें एक चांदी का कड़ा भी था. इसके बाद परिजनों ने सूचना पुलिस को दी मौके पर पुलिस पहुंची कोटडी डिप्टी श्याम सुंदर के साथ ही थाना प्रभारी मौके पर मौजूद हैं।

कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग किया गया: राहुल गांधी

» मोदी सरनेम मामले में सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा किया दायर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उन्होंने हमेशा कहा है कि वह अपराध के लिए दोषी नहीं हैं और दोषसिद्धि टिकाऊ नहीं है और अगर उन्हें माफ़ी मांगनी होती और अपराध को कम करना होता, तो उन्होंने बहुत पहले ही ऐसा कर लिया होता।

शीर्ष अदालत के समक्ष गांधी के हलफनामे में शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने पूर्व कांग्रेस प्रमुख का वर्णन करने के लिए अहंकारी जैसे निंदनीय शब्दों का इस्तेमाल केवल इसलिए किया क्योंकि उन्होंने माफी मांगने से इनकार कर दिया है। गांधी के हलफनामे में कहा गया है कि शिकायतकर्ता, गुजरात भाजपा विधायक पूर्णेश ईश्वरभाई मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपने जवाब में गांधी का वर्णन करने के लिए अहंकारी जैसे निंदनीय शब्दों का इस्तेमाल किया, क्योंकि उन्होंने माफी मांगने से इनकार कर दिया था। राहुल गांधी के हलफनामे में कहा गया है कि बिना किसी गलती के माफी मांगने के लिए राहुल गांधी को बांह मरोड़ने के लिए जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत आपराधिक प्रक्रिया और परिणामों का उपयोग करना, न्यायिक प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है और इस अदालत द्वारा इसे स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। गांधी, जिन्हें इस मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद वायनाड से लोकसभा सांसद के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था, ने अपने हलफनामे में कहा कि उनके पास एक असाधारण मामला है, क्योंकि यह अपराध एक मामूली अपराध है, और एक निर्वाचित सांसद के रूप में उन्हें इससे होने वाली अपूरणीय क्षति है। इसलिए यह प्रार्थना की जाती है कि राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगाई जाए, जिससे वह लोकसभा की मौजूदा बैठकों और उसके बाद के सत्रों में भाग ले सकें।

रैंकिंग में ईशान किशन ने लगाई लंबी छलांग

» आईसीसी वनडे रैंकिंग : रोहित टॉप 10 में बरकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईसीसी वनडे रैंकिंग में भारतीय युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने लंबी छलांग लगाई है। वो 15 स्थान ऊपर चढ़कर यानी 45वें पायदान पर पहुंच गए हैं। आईसीसी ने एशेज सीरीज खत्म होने के बाद टेस्ट प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट को एक स्थान का लाभ मिला है। जिसके बाद वो अब दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन की जगह खतरे में दिख रही है।

दरअसल, चोटिल होने के कारण विलियमसन लंबे समय से मैदान से दूर हैं। रूट के 559 रेटिंग अंक हैं जबकि विलियमसन 883 अंक के साथ टॉप पर काबिज हैं। इस दौरान रूट ने एशेज सीरीज के दौरान 405 रन जुटाए साथ ही उन्होंने आखिरी मुकाबले में 91 रन की अहम पारी खेली। इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन पांचवें नंबर पर हैं। जबकि स्टीव स्मिथ तीन स्थान ऊपर खिसककर तीसरे नंबर पर आ गए हैं। इस कड़ी में उस्मान ख्वाजा एक स्थान ऊपर यानी सातवें नंबर पर हैं। वहीं इस टॉप 10 लिस्ट में भारत के एकमात्र खिलाड़ी कप्तान रोहित शर्मा दसवें नंबर पर शामिल हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम इस सूची में चौथे नंबर पर हैं। टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग की बात करें तो भारतीय स्पिनर आर अश्विन 879 अंक के साथ सबसे ऊपर काबिज हैं। उनके अलावा स्टुअर्ट ब्रॉड चौथे नंबर पर हैं। वहीं वनडे रैंकिंग में ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिले हैं। हालांकि, भारतीय युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने लंबी छलांग लगाई है। वो 15 स्थान ऊपर चढ़कर यानी 45वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

पांड्या ने कोहली और कपिल देव को पछाड़

वेस्टइंडीज के खिलाफ हार्दिक पांड्या ने एक करिश्माई रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इस कड़ी में उन्होंने विराट कोहली और कपिल देव को पीछे छोड़ दिया है। दरअसल, वो बतौर कप्तान एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। बता दें कि, त्रिनिदाद में खेले गए आखिरी वनडे मैच में हार्दिक पांड्या ने 5 छक्के जड़े। वे इस मैच में कप्तानी निभा रहे थे और बतौर कप्तान किसी भी खिलाड़ी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में इतने छक्केअभी तक नहीं जड़े हैं।

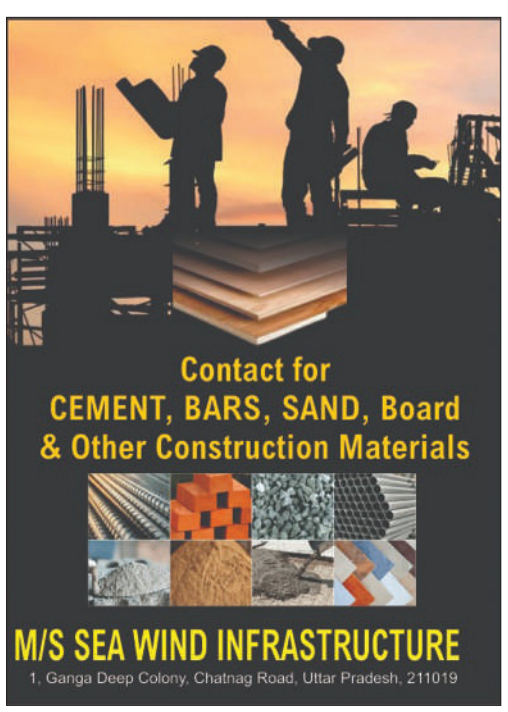

प्रदर्शन सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया) द्वारा महिलाओं के साथ हो रही हिंसा पर गृहमंत्री अमित शाह से इस्तीफे की मांग। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से तीखी नोकझोंक भी हुई।

अपनी भाषा को संयमित रखें सांसद : पीएम मोदी

बोले- रेवड़ी संस्कृति की वजह से देश को बहुत नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए के सांसदों के साथ एक खास मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने सांसदों को चुनाव में जीत का मंत्र भी दिया। सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी ने इस मुलाकात के दौरान सभी सांसदों से कहा कि वो गरीबों के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि एक सांसद के तौर पर हमे अपनी भाषा पर संयम रखने की जरूरत है।

विपक्षी दल आपको उकसाएंगे लेकिन आपको अपनी भाषा और वाणी पर कंट्रोल रखने की जरूरत है। अगर ऐसा कर पाए तो इससे विपक्ष को कोई विवाद पैदा करने का मौका नहीं मिल पाएगा। पीएम मोदी ने सांसदों से कहा कि वह तथ्यों के आधार पर विपक्षी गठबंधन का सामना करें। साथ ही उन्होंने आने वाले समय में दक्षिण भारत के राज्यों पर भी फोकस करने को कहा। सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि विपक्ष की रेवड़ी संस्कृति की वजह से देश को बहुत नुकसान हो रहा है। पीएम ने सभी सांसदों से रेवड़ी संस्कृति का मुकाबला करने की भी नसीहत दी है। पीएम मोदी ने इस बैठक के दौरान सभी सांसदों से समाज के सभी वर्गों के लिए काम करने को भी कहा है. उन्होंने कहा कि सभी सांसदों को चाहिए कि वह अपने अपने लोकसभा क्षेत्रों में लोगों से संपर्क बढ़ाएं. साथ अपने काम का प्रचार करने के लिए कॉल सेंटर भी बनाया जा सकता है.

पीएम व राजनाथ से मिले सिद्धारमैया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री से मुलाकात से कुछ घंटे पहले मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात की। सिद्धारमैया ने पीएम मोदी को लकड़ी से बनी पारंपरिक हाथी की लघु प्रतिमा और माला भेंट की। पीएमओ द्वारा ट्वीट की गई तस्वीर में पीएम मोदी कर्नाटक की पारंपरिक पगड़ी और शॉल पहने नजर आ रहे हैं।

कपिल सिब्बल की दलील को जज ने किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को खत्म करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आज दूसरे दिन की सुनवाई शुरू की। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, संजीव खन्ना, बीआर गवई और सूर्यकांत की पांच न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ सोमवार और शुक्रवार को छोड़कर दैनिक आधार पर याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

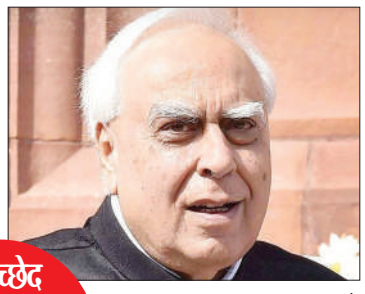

अनुच्छेद 370 मामले पर दूसरे दिन भी सुनवाई जारी

वकील काबिल सिब्बल ने अपनी दलील रखते हुए कहा कि धारा 370 को छुआ नहीं जा सकता। अन्य सभी चीजें हो सकती हैं। जिसके जवाब में जस्टिस खन्ना ने कहा कि यह नहीं कहते कि अनुच्छेद 370 को छुआ नहीं जा सकता! वास्तव में, इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि इसे छुआ जा सकता है। सिब्बल ने कहा कि 370(1)(सी) या अनुच्छेद 3, नहीं कर सकते! एक सीमांत नोट यह नहीं कह सकता कि यह अस्थायी है इसलिए मैंने इसे इस तरह पढ़ा। ऐसा नहीं किया जा सकता। अब आपको भारत के संविधान के प्रावधानों को लागू करना है। और वे सभी क्रम में सम्मिलित हैं। तो 356 वहां आता है, भाग-3, प्रस्तावना, डीपीएसपी- वहां आते हैं लेकिन यह सब सहमति के साथ है। सिब्बल ने कहा कि यह 370 क्या है इसकी वास्तविक समझ का सवाल है। जवाब में न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि यहां अपवाद यह है कि संपूर्ण संविधान को अपनाया गया है, जो कि किए गए संशोधनों के अधीन है।

वनवासियों के अधिकारों को खतरे में डाल रही सरकार : जयराम रमेश

» वन विधेयक को लेकर कांग्रेस ने उठाया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि सरकार और उन पार्टियों से सवाल पूछा जाना चाहिए, जिन्होंने वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2023 पर मुहर लगाई है। साथ ही उन्होंने कहा कि वनवासियों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए यह एक लंबा संघर्ष होगा। बता दें, मणिपुर मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के विरोध और उनके बहिर्गमन के बीच राज्यसभा ने बुधवार को एक संक्षिप्त बहस के बाद वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2023 पारित कर दिया।

विधेयक में देश की सीमाओं के 100 किलोमीटर के भीतर की भूमि को संरक्षण कानूनों के दायरे से छूट देने और वन क्षेत्रों में चिड़ियाघर, सफारी और इको-पर्यटन सुविधाओं की स्थापना की अनुमति देने का प्रावधान है। बता दें, लोकसभा इस विधेयक को 26 जुलाई को पारित कर चुकी है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा कि कई पर्यावरणविदों, जो किसी भी तरह से भक्त नहीं हैं ने वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 में संशोधन के समय राज्यसभा का बहिष्कार करने के लिए विपक्ष की आलोचना की है। साथ ही इसके खिलाफ कई लोग आंदोलन कर रहे हैं, कल उस पर चर्चा हो रही थी।

विधेयक का बहिष्कार 26 पार्टियों का सामूहिक निर्णय

रमेश ने कहा कि बहिष्कार का निर्णय भारत की 26 पार्टियों का सामूहिक निर्णय था क्योंकि मणिपुर पर प्रधानमंत्री के बोलने की हमारी जायज मांग को रोजाना अस्वीकार किया जा रहा है। साथ ही विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि विधेयक को स्थायी समिति या अध्यक्ष के पास नहीं भेजा गया था। इसे एक विशेष संयुक्त समिति के पास भेजा गया, जिसने विधेयक पर बस मुहर लगा दी। विधायी प्रक्रिया का पूरी तरह से मजाक उड़ाया गया।

सभी को सुरक्षा नहीं दे सकती सरकार : खट्टर

» सीएम के बयान पर विपक्ष हमलावर, ममता का मिला साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर जहां नूंह हिंसा को लेकर विपक्ष के निशाने पर हैं तो वहीं इस बीच बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने उनका समर्थन किया है। खट्टर ने हरियाणा की आबादी का जिक्र करते हुए कहा कि पुलिस सभी की सुरक्षा कैसे कर सकती है?

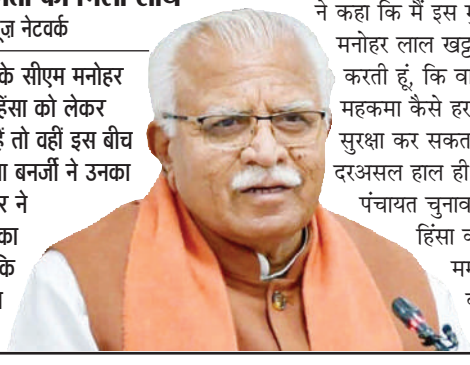

सीएम के इस बयान के बाद विपक्ष इसकी आलोचना करने लगा। ममता बनर्जी ने कहा कि मैं इस मुद्दे पर मनोहर लाल खट्टर का सपोर्ट करती हूं, कि वाकई पुलिस महकमा कैसे हर आदमी की सुरक्षा कर सकता है। दरअसल हाल ही में बंगाल पंचायत चुनाव के दौरान हिंसा को लेकर ममता विपक्ष के निशाने पर थीं।

मानेसर पर राजस्थान सरकार क्यों नहीं करती कार्रवाई

नूंह हिंसा पर घिरे होने के बीच मोनू मानेसर पर भी सीएम खट्टर ने चुप्पी तोड़ी है। खट्टर ने कहा कि जहां तक मोनू मानेसर की बात है तो उस पर राजस्थान में केस दर्ज हैं, मैं तो राजस्थान सरकार से पूछना चाहता हूं कि वे कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं। हमारी हरियाणा सरकार से मोनू मानेसर को लेकर जो भी मदद चाहिए, हम करने के लिए तैयार हैं। नूंह हिंसा को लेकर खट्टर ने कहा है कि नुकसान की भरपाई विद्रोह फैलाने वाले आरोपियों से ही की जाएगी, जिसके बाद एक बार माना जा रहा है कि क्या वाकई सीएम खट्टर हरियाणा में यूपी का योगी मॉडल अपनाएंगे।

बिहार में जातिगत जनगणना के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में जातिगत जनगणना कराने के नीतीश सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। मंगलवार को ही पटना हाईकोर्ट ने जातिगत जनगणना की मंजूरी दी थी। इसी के खिलाफ अब सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई है।

गौरतलब है कि पटना हाईकोर्ट ने बिहार में जाति सर्वेक्षण पर चार मई को अस्थायी रोक लगा दी थी। इसके बाद राज्य सरकार ने कहा था कि जाति-आधारित डेटा का संग्रह संविधान के अनुच्छेद 15 और 16 के तहत एक संवैधानिक आदेश है इसके बाद हाईकोर्ट ने एक अगस्त को बिहार सरकार द्वारा कराए जा रहे जाति सर्वेक्षण को वैध और कानूनी ठहराया। अदालत ने उन याचिकाओं को भी खारिज कर दिया जो जून 2022 में राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए जाति सर्वेक्षण के खिलाफ दायर की गई थीं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।